**Seventeenth Loksabha**

an>

**Title: Need to celebrate 3rd January, the Birth Anniversary of Savitribai Phule as Women Teachers' Day.**

**डॉ. संघमित्रा मौर्य (बदायूं)**: माननीय सभापति जी, माता सावित्रीबाई फुले का जीवन कई दशकों से महाराष्ट्र के गाँव कस्बों की औरतों के लिए प्रेरणादायक रहा है । उनकी जीवनी एक औरत के जीवट और मनोबल को समर्पित है । सावित्रीबाई फुले के कार्यक्षेत्र और तमाम विरोध और बाधाओं के बावजूद अपने संघर्ष में डटे रहने के उनके धैर्य और आत्मविश्वास ने भारतीय समाज में स्त्रियों की शिक्षा की अलख जगाने की महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई । वे प्रतिभाशाली कवयित्री, आदर्श अध्यापिका, निस्वार्थ समाजसेविका और सत्यशोधक समाज की कुशल नेतृत्व करने वाली महान नेता थीं । सावित्री-ज्योतिबा दम्पति ने इसके बाद अपना ध्यान समाज- सेवा की ओर केन्द्रित किया । 1 जनवरी सन 1848 को उन्होंने पूना के बुधवारा पेठ में पहला बालिका विद्यालय खोला । यह स्कूल एक मराठी सज्जन भिंडे के घर में खोला गया था । सावित्रीबाई फुले इस स्कूल की प्रधानाध्यापिका बनी थी ।

सभापति जी, मैं आपके माध्यम से बालिकाओं में शिक्षा की ज्योति जलाने वाली माता सावित्रीबाई फुले जी की जयंती 3 जनवरी को महिला शिक्षक दिवस के रूप में मनाई जाए, ऐसी सरकार से माग करती हूँ ।

… (व्यवधान)

**14.17 hrs**

*At this stage, Shri A. Raja, Shri Sudip Bandyopadhyay, Shri N. K. Premachandran and some other hon. Members left the House.*